PC-4572/MH

A/2051

उपनिषद, दर्शन, व्याकरण और अनुवाद

Paper–B

Opt. (ii)

(Semester-II)

(Pvt. and D.E.)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

प्रथम भाग

I. (क) निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या करें :

(i) समाने वृक्षे पुरुषो निमग्नोऽनीशया शोचति मुह्यमानः।
जुष्टं यदा पश्यत्यन्यमीशमस्य महिभानमिति वीतशोकः।।

(ii) यो देवानामधिपो, यस्मिल्लोका अधिश्रिताः।
य ईशे अस्य द्विपदश्चतुष्पदः, कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

(iii) स्थूलानि सूक्ष्माणि बहूनि चैव रूपाणि देही स्वगुणैर्वृणोति।
क्रियागुणैरात्मगुणैश्च तेषां संयोगहेतुरपरोऽपि दृष्टः।।

(iv) स्वभावमेके कवयो वदन्ति कालं तथाऽन्ये परिमुह्यमानाः।
देवस्यैष महिमा तु लोके येनेदं भ्राम्यते ब्रह्मचक्रम।।

(7½×2=15)

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर सविस्तार लिखें :

(i) 'भारतीय दर्शन' अनुसार 'ईश्वर' विषयक विचारों की समीक्षा करें।

(ii) 'वेद एवं उपनिषद' में आत्मा को किस प्रकार उल्लेखित किया गया है? सविस्तार विवेचन करें। (15×1=15)

द्वितीय भाग

II. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों के रूप सातों विभक्तियों में लिखें।

राम, मति, युष्मद्, तत् (पुल्लिङ्ग में)। (5×2=10)

(ख) निम्नलिखित धातुओं में से किन्हीं **दो** को यथानिर्दिष्ट लकारों में लिखें।

वद् (लट्), हस् (लोट्), दृश् (लृट्), भू (विधिलिङ्ग)
(2×5=10)

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :

(i) गुरु को प्रणाम।

(ii) शोर मत करो।

(iii) मैं रामायण पढ़ता हूँ।

(iv) छात्र लेख लिखता है।

(v) माता पुत्र को फल देती है।

(vi) मंदिर के चारों ओर जल है।

(vii) शिष्य गुरु के साथ वन गया।

(viii) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(ix) मेरे घर में पाँच सदस्य हैं।

(x) सैनिक देश की रक्षा करता है। (2×5=10)

तृतीय भाग

III. (क) निम्नलिखित सभी प्रश्नों के लघु उत्तर लिखें।

(i) 'उपनिषद्' शब्द से क्या तात्पर्य है?

(ii) 'दर्शन' शब्द का अर्थ स्पष्ट करें।

(iii) आस्तिक दर्शनों के नाम व उनके प्रणेताओं का नाम लिखें।

(iv) श्वेताश्वतरोपनिषद् के चतुर्थ अध्याय का वैशिष्ट्य लिखें।

(v) 'श्वेताश्वतरोपनिषद्' के छठे अध्याय का सार लिखें।

(vi) 'अजामेकां लोहितशुक्लकृष्णां' मन्जोश का भावार्थ लिखें।

(vii) वैदिक दर्शन के प्रतिपाद्य विषय की चर्चा करें।

(viii) 'अभितः', 'परितः' व अनु के योग में कौन-सी विभक्ति होती है?

(ix) ''तदक्षरं तत्सवितुर्वरेण्यं' मन्त्रोश का भावार्थ लिखें।

(x) 'श्वेताश्वतरोपनिषद्' के अनुसार उपासक किस प्रकार मुक्तभाव को प्राप्त होता है? (4×10=40)